वन्य प्राणियों के प्रवासी प्रजाति के संरक्षण पर सम्मेलन के लिए पार्टियों के सम्मेलन की तेरहवीं बैठक (CMS COP13), गांधीनगर, गुजरात में भाग लिया

यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम के तहत वन्य प्राणियों के प्रवासी प्रजाति के संरक्षण पर सम्मेलन के लिए पार्टियों के सम्मेलन की तेरहवीं बैठक (CMS COP13) 17-22 फरवरी 2020 के बीच गांधीनगर, भारत में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया । सीएमएस सीओपी 13 (CMS COP13) सम्मेलन के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा था, जिसमें 2,550 लोग शामिल हुए थे, जिसमें 82 पार्टियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 263 प्रतिनिधि, 5 गैर-पार्टी देशों के 11 प्रतिनिधि, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के 50 प्रतिनिधि, अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों के 70 प्रतिनिधि, राष्ट्रीय 127 प्रतिनिधि शामिल थे।

कार्यक्रम के तहत 17 फरवरी 2020 को उदघाटन समारोह आयोजित किया गया | श्री नरेंद्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री, भारत ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम का उदघाटन किया एवं प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मध्य एशियाई फ्लाईवे के साथ प्रवासी पक्षियों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प लिया और प्रवासी पक्षियों के संरक्षण, समुद्री कछुओं के संरक्षण, सूक्ष्म से प्रदूषण में कमी के अनुसंधान और आकलन के लिए एक संस्थागत सुविधा की स्थापना की घोषणा की | माननीय मंत्री श्री प्रकाश जवडेकर ने सभा को संबोधित कर प्रवासी प्रजातियों के बारे में बताया | माननीय राज्य मंत्री श्री बाबुल सुपरियो भी कार्यक्रम में उपस्थित थे | CMS प्रवासी प्रजातियों और उनके आवासों के संरक्षण को संबोधित करने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात है" | COP13 में CMS परिशिष्ट में दस नई प्रजातियां जोड़ी गईं। अपेंडिक्स I में सात प्रजातियां शामिल की गईं, जो सबसे सख्त सुरक्षा प्रदान करता है: एशियाई हाथी, जगुआर, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, बंगाल फ्लोरिकन, लिटिल बस्टर्ड, एंटिपोडियन अल्बाट्रॉस और ओशनिक व्हाइट-टिप शार्क।

तीन सीएमएस एंबेसडर - स्थलीय, एवियन और जलीय प्रजातियों के लिए - सीएमएस एंबेसडर प्रोग्राम के तहत नामित किए गए: अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध संरक्षणवादी इयान रेडमंड ओबीई (स्थलीय के लिए), पुरस्कार विजेता खोजकर्ता और पर्यावरणविद् सच्चा डेंच (एवियन के लिए), और भारतीय अभिनेता और पर्यावरण कार्यकर्ता रणदीप हुड्डा (जलीय के लिए)। वे सीएमएस के महत्वपूर्ण काम और प्रवासी प्रजातियों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करेंगे।

गोड़ावन को प्रवासी प्रजाति के संरक्षण पर सम्मेलन के लिए पार्टियों के सम्मेलन की तेरहवीं बैठक (CMS COP13) का शुभंकर बनाया गया |

यूनाइटेड नेशंस एनवायरनमेंट प्रोग्राम के तहत वन्य प्राणियों के प्रवासी प्रजाति के संरक्षण पर सम्मेलन के लिए पार्टियों के सम्मेलन की तेरहवीं बैठक (CMS COP13) 17-22 फरवरी 2020 में भाग लेने के लिए शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर से श्री रमेश कुमार मालपानी, उप वन संरक्षक, श्री अमीन उल्लाह खान, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री शिवदान सिंह राजपूत, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, श्री शैलेंद्र सिंह राठौड़, वरिष्ठ तकनीशियन और सचिन तंवर, एम.टी.एस. ने CMS COP 13 सम्मेलन में भाग लिया | शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की तरफ से एक स्टॉल लगाई गई जिसमे संस्थान के शोध कार्यो के एलेक्ट्रोनिक पोस्टर्स, खेजड़ी के जड़ का नमूना (जिसमे खेजड़ी के रोग एवं उसके निदान के बारे में जानकारी थी), शुवअसं जोधपुर के शोध के विभिन्न पम्पलेट्स, विभिन्न प्रजातियों के बीज नमूने तथा रेगिस्तानी परिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न प्रजातियों के पौधे रूट ट्रेनर में प्रदर्शित किए गए |

विभिन्न देशो से आए प्रतिनिधियों ने संस्थान की स्टॉल का अवलोकन कर रेगिस्तानी परिस्थितिकी तंत्र में होने वाले पादप, टिब्बा स्थिरीकरण, खेजड़ी में होने वाले रोग एवं उसके उपचार तथा शुष्क क्षेत्र के परिस्थितिकी तंत्र के बारे में जाना | स्टॉल में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के वैज्ञानिको के शोध की पुस्तकों को भी प्रदर्शित किया गया | विभिन्न देशी एवं विदेशी प्रतिनिधि शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की स्टॉल से बेहद प्रभावित हुए और भविष्य में संस्थान के भ्रमण के बारे में बताया |

P.O. Krishi Upaj Mandi, New Pali Road, Jodhpur-342005

COP 13
2020
INDIA

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE

A-39
ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE
(AFRI), JODHPUR, RAJASTHAN
A-40
DEPARTMENT OF ENVIRONMENT & FOREST,
U.T. OF LAKSHADWEEP
Welcome

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE